Seventeenth Loksabha

>

Title: Motion for election of two Members from Lok Sabha to the Council of the Institutes of Technology.

मानव संसाधन विकास मंत्री (डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं :

> "कि प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 की धारा 31 की उप-धारा (2) के खंड (ट) के अनुसरण में, इस सभा के सदस्य, ऐसी रीति से जैसा कि अध्यक्ष निदेश दें, उक्त अधिनियम के अन्य उपबंधों तथा उसके अधीन बनाये गए नियमों के अध्यधीन प्रौद्योगिकी संस्थानों की परिषद् के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से दो सदस्य निर्वाचित करें ।"

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है :

> "कि प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 की धारा 31 की उप-धारा (2) के खंड (ट) के अनुसरण में, इस सभा के सदस्य, ऐसी रीति से जैसा कि अध्यक्ष निदेश दें, उक्त अधिनियम के अन्य उपबंधों तथा उसके अधीन बनाये गए नियमों के अध्यधीन प्रौद्योगिकी संस्थानों की परिषद् के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से दो सदस्य निर्वाचित करें ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आपने कई विषयों पर स्थगन प्रस्तावों की सूचना दी, जिसकी व्यवस्था मैंने दे दी है, लेकिन अविलम्बनीय लोक महत्व के मुद्दे आप शून्य काल में उठा सकते हैं । मैंने पहले भी आपसे आग्रह किया था

कि यह सदन आपका है, सदन सबकी सहमति से चलता है, सहमति-असहमति सदन में होती है, लेकिन आप सदन की गरिमा को बनाए रखें । आपने 17वीं लोक सभा में इस सदन की गरिमा को बनाए रखा । देश की 130 करोड़ जनता का विश्वास देश की संसद पर रहा है । मैं आपके हर विषय पर इस सदन में आपको वाद-विवाद और चर्चा करने का मौका दूंगा । सदन के नेता ने भी आपको आश्वस्त किया है और मैंने भी आपको आश्वस्त किया है । आप अविलम्बनीय लोक महत्व के विषयों पर अगर आप अपना विषय उठाना चाहते हैं तो आप मुझे लिखित में दें, मैं आपको विषय उठाने की इजाजत दूंगा ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : मैं शून्य काल शुरू कर रहा हूं । लिस्टेड सूची के बाद आपको बोलने का मौका दूंगा ।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, मैंने एडजर्नमेंट मोशन दिया है, मुझे बोलने का मौका दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री अधीर रंजन चौधरी जी बोलिए ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बोलिए, सदन आपका है ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, विपक्ष की तरफ से हम लोगों ने भी सुनिश्चित किया है कि विपक्ष हर मौके पर आपको समर्थन देता रहेगा । सदन के अन्दर हमें बात रखने का मौका दिया जाए, यही हमारा निवेदन है, इससे ज्यादा कुछ नहीं है ।

सर, बात यह है कि सदन के अन्दर, आप खुद देखिए कि हमारे प्रधान मंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, चार जो बड़े कैबिनेट मंत्री होते हैं, उनमें से कोई है? …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपना प्रश्न उठाएं । यहां बहुत सारे कैबिनेट मंत्री जी बैठे हुए हैं ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, हम इसलिए पूछ रहे हैं । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: संसदीय कार्य मंत्री जी विराज रहे हैं ।

…(व्यवधान)